



# THE ASIATIC SOCIETY

FOUNDED IN 1784

(An Institution of National Importance declared by an Act of Parliament)  
and

(An autonomous organization under Ministry of Culture, Government of India.)

1, PARK STREET, KOLKATA - 700 016

Patron : Hon'ble Governor of West Bengal



Ref. No. : . . . . .

Date :

हिन्दी विभाग

वेब साइट

दि एशियाटिक सोसाइटी  
1 पार्कस्ट्रीट, कोलकाता 700016  
राष्ट्रीय महत्वपूर्ण संस्था

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता संस्कृति मंत्रालय का एक संगठन होने के नाते राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का निरंतर पालन कर रही है।

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता ने राजभाषा कार्यन्वयन समिति का दिनांक 01.04.2014 को गठन किया (कार्यालय झापन संख्या 118. 01.04.2014).

समिति द्वारा तिमाही और छमाही रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। समिति वर्ष 2014 में हिंदी पखवाड़ा का भी आयोजन कर चुकी है।

सोसाइटी के 80% कर्मचारी हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित हो गए हैं तथा सोसाइटी की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषिक रूप में (हिन्दी-अंग्रेजी में) तैयार करवाई जा रही है और मंत्रालय को भेजी जा रही है।

एशियाटिक सोसाइटी के कार्यालय झापन 83dt/12/08/2016 के द्वारा अगस्त 2016 में एक नई कार्यन्वयन समिति गठन किया गया है।



# THE ASIATIC SOCIETY

FOUNDED IN 1784

(An Institution of National Importance declared by an Act of Parliament)  
and

(An autonomous organization under Ministry of Culture, Government of India.)

1, PARK STREET, KOLKATA - 700 016

Patron : Hon'ble Governor of West Bengal



Ref. No. : . . . . .

Date :

2

## समिति की कारवाई:

1. हिंदी प्रशिक्षण के लिए परिपत्र जारी किया गया।
2. तिमाही रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई।
3. अ-हिंदीभाषी कर्मचारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
4. 12.09.2017 से 14.09.2017 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया (अनुष्ठान-सुचे संलग्न)। इसी क्रम में संग्रहालयों में 14.09.2017 से 15.09.2017 तक हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण विषय पर द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) रुप में एक दीवार पत्रिका का उद्घाटन किया गया।
5. 16.09.2017 से 30.09.2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
6. हिंदी दिवस पर दीवारों पर हिंदी नारे लगाए गए।
7. सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में सभी कार्यक्रम छपवाए गए।
8. सभी फैसलों व रजिस्टारों के विषय तथा नामपट्ट द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) रुप में बनवाए जा रहे हैं।
9. ग्रंथागार में हिंदी पुस्तक अनुभाग खुल रहा है।
10. छोटे-छोटे पत्र और आंतरिक टिप्पणियां हिंदी में लिखने के प्रयास जारी हैं।
11. हिंदी में सरकारी कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जाता है।

सत्यव्रत चक्रवर्ती  
(सत्यव्रत चक्रवर्ती)  
महासचिव 11/11/18